हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 6 अप्रैल 2026

12 हिसार में जिंदल स्टेनलेस ने लगाए 1001...

12 सुपवा के छात्रों ने पेंटिंग, स्कल्पचर, पॉटरी का...

खबर संक्षेप

एसी की फिटिंग चुराने का आरोपी गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमरदीप कॉलोनी निवासी रवि के रूप में हुई है। जांच अधिकारी हवलदार कपिल ने बताया कि कैमरी रोड स्थित बसंत विहार निवासी संदीप ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि पिछले वर्ष 9 नवंबर की रात लगभग 11:25 बजे उसकी दुकान में अज्ञात व्यक्ति घुसकर 6 एसी की फिटिंग सहित अन्य सामान जैसे मोटर, हथौड़ा, ड्रिल व तार आदि चोरी कर ले गया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया। उसकी पहचान अमरदीप कॉलोनी निवासी रवि के रूप में हुई, इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात कबूल की है। उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पाबड़ा मंदिर चोरी में मुख्य आरोपी दबोचा

हिसार। बरवाला पुलिस ने पाबड़ा गांव के मां चंडके देवी मंदिर में हुई चोरी के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान ढाणी सांचला निवासी रिंकू उर्फ गोलू के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई सुनील ने बताया कि पुजारी आनंद शास्त्री ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि पिछले साल 26 दिसंबर की रात को मंदिर के कपाट बंद होने के बाद चोरों ने मंदिर में प्रवेश कर चांदी का छत्र और सोने का मुकुट चोरी कर लिया। पुलिस ने केस दर्ज करके सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी ढाणी सांचला निवासी रिंकू उर्फ गोलू को काबू कर लिया। उसे अदालत में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पूछताछ करते हुए पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा सोने का मुकुट बरामद कर लिया है। इस मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी की पहचान कर ली गई है। उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लड़ाई-झगड़े के केस में फरार आरोपी फिर काबू

हिसार। फरार अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत थाना उकलाना के वर्ष 2017 के एक लड़ाई-झगड़े के मुकदमे में घोषित पीओ को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दौलतपुर निवासी अनिल उर्फ अनीत के रूप में हुई है। वर्ष 2017 में उकलाना थाना के एक मुकदमे में दौलतपुर निवासी अनिल उर्फ अनीत को गत पिछले वर्ष एक नवम्बर पुलिस टीम अदालत में पेश करने से पूर्व मेडिकल करवाने के लिए सामान्य अस्पताल हिसार लाई थी। अस्पताल से उक्त आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसआई दयाराम व उनकी टीम ने दौलतपुर में दबिश देकर रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

'अक्षरम्-2026' तीन दिन तक चला संस्कृति और साहित्य का महाकुंभ

भारतीय संस्कृति की जड़ें गहरी, युवाओं को निभानी होगी जिम्मेदारी: राज्यपाल

कुलाधिपति एवं महामहिम राज्यपाल ने जम्भेश्वर भवन परिसर में किया यज्ञशाला का उद्घाटन पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महामहिम राज्यपाल एवं गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा है कि भारत एक सशक्त राष्ट्र है। जहां पर विभिन्न समाज, धर्म व विचारों के लोग रहते हैं। इतनी विभिन्नताओं का बाद भी हमारे देश में एकता व राष्ट्र भक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है।

महामहिम राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष रविवार सायं यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महाकुंभ 'अक्षरम्-2026' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ वंदे मातरम् तथा गुजविप्रौवि कुलगीत के गायन तथा समापन राष्ट्र गान से हुआ। इसके पश्चात पूरे सभागार में सांस्कृतिक चेतना और उत्सव का वातावरण छा गया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और विरासत की जड़ें बहुत गहरी हैं। आज युवा पीढ़ी को हमारे अतीत के बारे में जानकारी अवश्य होनी चाहिए वहीं उन्हे समाज व राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर रहना चाहिए। समारोह में लेडी गवर्नर मित्रा घोष ने भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से प्रदीप कुमार जोशी, पन्चजन्य के संपादक हितेश शंकर, पदमश्री डा. चन्द्र प्रकाश द्विवेदी प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं संस्कृति कृमि, जे. नंद कुमार, अनुराग पुनेठा ने भी अक्षरम 2026 के दौरान तीन दिन तक चले कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व अनुभव साझा किए। *-संबंधित पैकेज पेज 12 पर*

हिसार। जम्भेश्वर भवन परिसर में यज्ञशाला का उद्घाटन व पौधा रोपण करते मुख्यातिथि कुलाधिपति एवं महामहिम राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष।

कुलपति ने किया स्वागत

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने अपने स्वागत सम्भाषण में कहा कि अक्षरम 2026 का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रांगण में होना सम्मान की बात है। उन्होने कहा कि तीन दिन तक चले कार्यक्रम में विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई जिनके माध्यम से राष्ट्रभक्ति, समाज हित, संस्कृति, संस्कारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया गया जिसमें युवा विद्यार्थियों ने श्रोता के रुप में ही नही अपितु प्रत्येक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता प्रस्तुत की। यह एक सजीव अवसर था। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों व रचनाकारों ने एक नई चेतना जगाने का कार्य किया है। बौद्धिक, नैतिक, मानसिक विकास को जगाने का कार्य किया है।

गुरु जम्भेश्वर महाराज के सिद्धांत बताए

समारोह से पूर्व महामहिम राज्यपाल विश्वविद्यालय परिसर में स्थित जम्भेश्वर भवन पहुंचे जहां उन्होंने यज्ञशाला का उद्घाटन किया और जम्भेश्वर जी महाराज की प्रतिमा पर अपनी पुष्पांजलि अर्पित की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने राज्यपाल को पर्यावरणविद् एवं महान संत गुरु जम्भेश्वर जी महाराज की शिक्षाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जम्भेश्वर जी महाराज द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों, पर्यावरण के लिए दिए गए उनके योगदान, नीतियों व सिद्धांत के बारे में बताया। उन्होंने समाज द्वारा 29 सिद्धांतों को अपनाने, वहीं पर्यावरण की रक्षा के लिए शहीद 363 महानुभावों द्वारा दिए गए बलिदान के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने जम्भेश्वर भवन प्रांगण में खेजड़ी के वृक्ष का पौधारोपण भी किया।

5150 का डीजल भरवाकर भागे कार सवार, एक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सदर क्षेत्र में हिसार कैंट के पास पेट्रोल पंप से रविवार दोपहर को हुई तेल लूटने की घटना को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए विफल कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में एक आरोपी सिंथला निवासी सुभाष को दबोच लिया है।

बताया जा रहा है कि हिसार कैंट के पास स्थित अंकुर फिलिंग स्टेशन पर रविवार दोपहर को लगभग 1:58 बजे एक स्विफ्ट डिजायर कार आई। कार में तीन युवक सवार थे। आरोपियों ने कार में 1300 रुपये व कार के अंदर रखी कैन में 3849.65 का डीजल भरवाया। डीजल भरवाने के बाद आरोपियों ने भुगतान करने के बजाय हथियार लहराया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

फिलिंग स्टेशन मालिक अधिवक्ता अंकुर श्योराण ने सदर पुलिस व डायल 112 पर दी और खुद भी साहस दिखाते हुए आरोपियों का पीछा किया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने जाल बिछाया और आरोपियों को अजॉय पॉलीमर फैक्ट्री के पास से यू-टर्न लेकर माइयड़ टोल के पास ले-बाय क्षेत्र में घेर लिया। पुलिस और शिकायतकर्ता के दबाव के कारण गाड़ी में सवार दो अन्य आरोपी हथियार सहित भागने में सफल हो गए जबकि पुलिस ने चालक सुभाष को मौके पर ही दबोच लिया।

तलाशी एवं बरामदगी

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पकड़ी गई गाड़ी की जांच के दौरान पुलिस को चौंकाने वाले तथ्य मिले। गाड़ी के आगे अलग नंबर प्लेट लगी थी, जबकि पीछे कोई प्लेट नहीं थी। गाड़ी के अंदर से एक अन्य नंबर प्लेट बरामद हुई। गाड़ी के शीशे काले थे और अंदर डीजल से भरी कैन मौजूद थी।

पहले भी दर्ज हैं केस

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पकड़ा गया आरोपी सुभाष एक पेशेवर अपराधी है। उस पर पहले भी इसी तरह की वारदातों के संबंध में थाना सदर फतेहाबाद और थाना सदर टोहाना में आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस की टीम आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है, ताकि जो दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, उन्हें भी जल्द से जल्द पकड़ लिया जाए।

बास पुलिस ने काटे वाहनों के चालान, बुलेट इंपाउंड

नारनौंद। सड़क पर आए दिन मनचले यातायात के नियमों का पालन न करके सड़क पर अन्य लोगों को भी परेशान करते हैं। इसी को लेकर बास थाना प्रभारी बलवान सिंह ने रविवार को गांव के जींद-भिवानी मार्ग पर अभियान चलाकर वाहनों की चेकिंग की और चालान भी काटे। इस दौरान एक बुलेट को इंपाउंड कर दिया गया। थाना प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि पिछले काफी दिनों से शिकायत मिल रही थी कि कुछ मनचले सड़कों पर अपने वाहनों को तेज गति से दौड़ाते हैं। साथ ही बुलेट चालक पटाखे भी छोड़ते हैं। इसी को लेकर रविवार को चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें काफी वाहनों के चालान काटे वहीं एक बुलेट चालक जो कि पटाखे बजाते हुए जा रहा था उसको रुकवा कर चेकिंग की और उसका चालान कर बुलेट को इंपाउंड कर दिया। अभियान के दौरान कुछ वाहन चालकों को चेतावनी देकर छोड़ा गया है।

सब्जी बेचकर लौट रहे बाइक सवारों को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत; साथी गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

- भिवानी रोड स्थित जीता खेड़ी के पास हुआ हादसा, हाजमपुर निवास 52 वर्षीय गुरदास के रूप में हुई मरने वाले की पहचान

भिवानी रोड स्थित जीता खेड़ी के पास सब्जी बेच कर घर लौट रहे एक व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान गांव हाजमपुर निवासी 52 वर्षीय गुरदास के रूप में हुई है वहीं, घायल व्यक्ति ढाणी केंदू निवासी 42 वर्षीय नवीन कुमार है।

सूचना मिलने पर बवानीखेड़ा थाना पुलिस ने अस्पताल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों के बयान पर वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज करके शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले जांच आरंभ कर दी है। बवानीखेड़ा थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरदास और नवीन शनिवार रात करीब 9 बजे सब्जी बेच कर अपने बाइक पर सवार होकर वापस घर लौट रहे थे कि जीता खेड़ी गांव समीप पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनके बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद गुरदास बाइक से उछलकर दूर जा गिरे और सिर पर लगी गंभीर चोटों के चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नवीन कुमार गंभीर से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल नवीन को हांसी के नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया लेकिन परिजनों ने उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। चिकित्सकों के अनुसार नवीन को हाथ, पैर और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। मृतक गुरदास अविवाहित था और मजदूरी करके अपना जीवन यापन करता था। जबकि घायल नवीन दो बच्चों का पिता है।

आठ किलोग्राम गांजे के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

हांसी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए नारनौंद की टीम ने 8 किलो 196 ग्राम गांजे सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उप निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व जांच के दौरान उमरा गांव के बास अड्डा पर मौजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि राजस्थान के झुंझुनू निवासी पवन व राकेश नशीले पदार्थ की तस्करी करते हैं और कार में सवार होकर रतेरा से उमरा की ओर आ रहे हैं। सूचना आधार पर पुलिस ने तुरंत उमरा-रतेरा रोड़ स्थित नहर पुल के पास नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। कुछ ही देर बाद एक वाहन चालक ने सामने पुलिस को देख अपनी कार मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को मौके पर ही काबू कर वाहन की तलाशी लेने पर कार के अंदर एक प्लास्टिक का कट्टे में 8 किलो 196 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने गाड़ी व गांजा कब्जे में लेकर आरोपियों को अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया है।

145 ग्राम अफीम के साथ पुट्ठी मंगल खां का युवक दबोचा

हांसी। हांसी सीआईए-वन टीम ने 145 ग्राम अफीम के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान पुट्ठी मंगल खां निवासी प्रमिंद्र उर्फ डल्लू के रूप में हुई है।

एसआई राजेश कुमार ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए वे ढाणी राजू क्षेत्र में नाकाबंदी कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। इसी दौरान सूचना मिली कि पुट्ठी मंगल खां निवासी प्रमिंद्र उर्फ डल्लू अपनी बुलेट पर पुट्ठी मंगल खां से उमरा रोड स्थित रजवाहे के पास नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस ने तुरंत छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से 145 ग्राम अफीम बरामद हुई।

पुलिस ने उस पर केस दर्ज करके अफीम व उसका मोटरसाइकिल कब्जे में ले लिया है। उसे अदालत में पेश करके एक दिन का रिमांड लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से नशा तस्करी से जुड़े नेटवर्क, सप्लायर व अन्य संलिप्त व्यक्तियों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाएगा।

खाद्य आपूर्ति विभाग ने ढाबों-दुकानों पर मारे छापे, 71 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

- हिसार, उकलाना, बरवाला, हांसी, आदमपुर व नारनौंद में छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से गैस की सप्लाई सुचारू रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत दुकानों से 71 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि हिसार शहर, उकलाना, बरवाला, आदमपुर, नारनौंद व हांसी के क्षेत्रों में स्थापित ढाबों व दुकानों पर छापेमारी करते हुए 71 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जिला हिसार में 34 गैस एजेंसी कार्यरत है, जिनके द्वारा औसतन 9000-9500 घरेलू गैस सिलेंडर दैनिक आधार पर उपभोक्ताओं को डिलीवर किए जा रहे हैं। जिला में घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने घरेलू व व्यवसायिक गैस उपभोक्ताओं से कहा कि हरियाणा सिटी गैस कंपनी की ओर से सेक्टर 9-11, सेक्टर-13, सेक्टर-15, सेक्टर 16-17, मॉडल टाउन एक्सटेंशन, अर्बन एस्टेट-II व पुलिस लाईन एरिया में पीएनजी गैस कनैक्शन की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। अभी तक शहर में 1800 घरेलू, 23 व्यवसायिक तथा 18 औद्योगिक पीएनजी कनैक्शन दिए जा चुके है।

इसके अलावा 1000 घरेलू, 14 व्यवसायिक तथा एक औद्योगिक पीएनजी कनैक्शन जारी करने के आवदेन प्राप्त हुए है जिन्हें जल्द ही कनेक्शन का लाभ दिया जाएगा। कम्पनी द्वारा 600 कनेक्शन तैयार कर दिए है जिनको एक-दो दिनों में ही सुविधा का लाभ मिल जाएगा।

अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय सर्कल स्टाइल कबड्डी का पारितोषिक वितरण समारोह

गुजवि की पुरुष कबड्डी टीम बनी ऑवरऑल चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप स्टेडियम में चल रही अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय सर्कल स्टाइल कबड्डी पुरुष वर्ग स्पर्धा के पारितोषिक वितरण समारोह के दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी रोहतक के कुलपति डा. अमित आर्य मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजविप्रौवि के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने की।

मुख्य अतिथि कुलपति डा. अमित आर्य ने गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा करवाए गए सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अच्छी खेल भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता के चौथे दिन अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय सर्कल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता महिला वर्ग के प्रथम सत्र का शुभारंभ नेशनल एवं सर्कल कबड्डी गोल्ड मेडलिस्ट डा. दर्शना दहिया ने किया। उन्होने मैदान पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हे उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

हिसार। अंतरविश्वविद्यालय सर्कल स्टाइल कबड्डी में दमखम दिखाते खिलाड़ी।

ये रहे सर्कल स्टाइल कबड्डी के परिणाम

गुजविप्रौवि की पुरुषों की कबड्डी टीम ने एमडीयू की टीमें को रोमांचक मुकाबले में 37-31 से शिकस्त देकर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। गुजविप्रौवि की पुरुषों की कबड्डी टीम ने प्वाइंट टेबल में 6 अंक प्राप्त किए। टीम ने प्रतियोगिता के दौरान एक भी अंक नहीं गंवाया। एमडीयू की टीम ने दूसरे स्थान के साथ सिल्वर मेडल जी। वहीं एक अन्य मैच में सीआरएसयू जींद व सीडीएलयू सिरसा की टीम को हराया। दोनों टीमों ने समान प्वाइंट टेबल 2-2 के साथ प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग के मुकाबलों में सीसीएस विश्वविद्यालय मेरठ की टीम ने भगवंत विश्वविद्यालय अजमेर की टीम को कड़े मुकाबले में 26-22 से हराया। एलएनआईपी ग्वालियर की टीम ने बनस्थली विद्यापीठ राजस्थान को एकतरफा मुकाबले में 30-9 से मात दी। गुजविप्रौवि की कबड्डी टीम ने गोड़वाना विश्वविद्यालय गढ़चिरोली महाराष्ट्र की टीम को रोमांचक मुकाबले 7 अंकों से हराया। पीयू पटियाला ने आईजीयू मीरपुर को 18 अंकों से, मारवाड़ी विश्वविद्यालय राजकोट गुजरात ने सीसीएस मेरठ को 20 अंकों से हराया। एलएनआईपीई ग्वालियर ने राजा प्रताप विश्वविद्यालय अलीगढ़ को 11 अंकों से हराया। मारवाड़ी विश्वविद्यालय राजकोट गुजरात ने पीयू पटियाला को 13 अंकों से हराया। पीयू चण्ड़ीगढ़ ने सिंघानिया विश्वविद्यालय झुन्झुनू को 16 अंकों से हराया।

खेलों से पैदा होता है आत्मविश्वास

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि खेलों से शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी होता है। निरंतर खेलने से खिलाड़ियों में आत्मविश्वास पैदा होता है, जो आगे चलकर उनके भविष्य को कामयाब बनाता है। उन्होने कहा कि खेल में हार या जीत कोई मायने नही रखती है।

डीन ऑफ स्पोर्ट्स ने की अध्यक्षता

डीन ऑफ स्पोर्ट्स प्रो. आशीष अग्रवाल ने स्पर्धा की अध्यक्षता की। सचिव एवं खेल निदेशक डा. शशि भूषण लूथरा ने परिणाम घोषित किए। इस अवसर पर सहायक खेल निदेशक मृणालिनी नेहरा, शूटर बिमला देवी कोच गंगादत्त यादव, ओम प्रकाश भादू, मंजीत सिंह, सुरेश कुमार आदि थे।

तीन एकड़ गेहूं की फसल नष्ट करने का आरोप, पुलिस पहुंची

बरवाला। क्षेत्र के गांव नया गांव में ट्रैक्टर-कटर से खड़ी गेहूं की फसल नष्ट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नया गांव निवासी संदीप कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी कृषि योग्य भूमि थाना बरवाला के अंतर्गत आती है, जो शामलात खाते की जमीन है। आरोप है कि 5 अप्रैल 2026 को प्रातः करीब दो-तीन बजे उसके चचेरे भाई विकास ने अपने स्वराज ट्रैक्टर व कटर से उसकी करीब तीन एकड़ खड़ी गेहूं की फसल को जानबूझकर नष्ट कर दिया है। पीड़ित किसान ने बताया कि घटना की सूचना तुरंत डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित किसान ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और हुए नुकसान की भरपाई करवाकर उसे न्याय दिलाया जाए। जब इस बारे पुलिस से बात की गई तो उन्होंने कहा कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है और तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

बरवाला। नया गांव में पुलिस टीम मौके पर कार्रवाई करते हुए।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

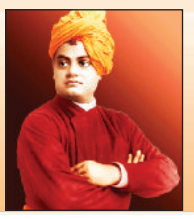

कहानी

अर्चना कोचर

विश्वास की कसौटी

वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। उसकी मां बिलखते हुए बोली-"बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी।'

सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो...

सुबह-सुबह दरवाजे पर लगातार बजती घंटी से झुंझलाकर रुचिका ने गुस्से में दरवाजा खोला। सामने आधे फटे मैले-कुचैले कपड़ों में जवान लड़की खड़ी थी। चेहरा उतरा हुआ, होंठ फटे तथा आंखों में दहशत थी। वह लड़की उसे टुकुर-टुकुर देखने लगी। रुचिका माथे पर भौहें चढ़ाकर बोली-"अरी! बोलो क्या कहना है.. क्यों सुबह-सुबह टाइम खोटी कर रही हो..?" वह लड़खड़ाती जुबान में बोली -"मैं.. नि..धी.., घर..फोन, किराया.. पैसे..।' तभी साथ वाले पड़ोसी के जवान बेटे अभय और अभिनव को आते देखकर वह ऐसे ठिठकी, जैसे उसे सौ वोल्टेज का झटका लगा हो और खुद में सिमटने की कोशिश करने लगी। भय के मारे उसका चेहरा पीला पड़ गया। रुचिका के करीब आने के लिए वह दो कदम और आगे बढ़ी-जैसे कुछ कहना चाहती हो, पर शब्द गले में अटक गए हो। होंठ हिल रहे थे, पर जुबान साथ नहीं दे रही थी। उसकी आंखों और कांपते हाथों के इशारों में मदद की एक मूक पुकार थी। सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो.. और उसे अनदेखा करके फटाक से गेट बंद कर दिया।" और वह मन-ही-मन बड़बड़ाते हुए–"इन भोली-भाली शक्लों के पीछे शैतानी दिमाग के बड़े-बड़े षड्यंत्र चलते हैं।"

फिर पति मुकेश की तरह मुखातिब होते हुए -"अभिनव और अभय दोनों पुलिस और सीआईडी में है। उन्हें देखकर उस लड़की ने ऐसी प्रतिक्रिया दी जैसे चोरी पकड़े जाने पर गुनाह से मुकर रही हो।" मुकेश-"यह अकेले काम नहीं करती हैं। इनके पीछे इनका पूरा गैंग होता है। इनका ज्यादातर काम इशारों से ही चलता है।" आजकल ठगों के भी नए-नए तरीके हो गए हैं। मदद मांगने के बहाने घर के अंदर घुस आते हैं ।" रुचिका ने सिर हिलाया, लेकिन कहीं भीतर असली और नकली में एक द्वंद्व छिड़ गया-"क्या वाकई वह ठग थी..?" दो घंटे बाद कार से दफ्तर जाते हुए सड़क किनारे लगी भीड़ को देखकर रुचिका ने गाड़ी रोककर ऊंची-ऊंची आवाज में-"क्या हुआ..क्या हुआ..का शोर मचाकर सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने लगी।' पास खड़े दुकानदार ने कहा -"सुबह से कोई लड़की गली में मदद की आस में इधर-उधर घूम रही थी, किसी से कुछ मांग रही थी। पर, कोई ध्यान नहीं दे रहा था। थोड़ी देर पहले यहीं गिर पड़ी।" वह फटाफट गाड़ी से उतरी और भीड़ के बीच सड़क पर उसी लड़की को बेहोश देखकर हैरानी से-"अरे! क्या हुआ इसे। दो घंटे पहले तो ठीक-ठाक थी। मेरे दरवाजे पर भी आई थी, मदद मांग रही थी..। ठीक से बोल नहीं पा रही थी । शायद अपना नाम निधि बता रही थी, फोन और पैसे मांग रही थी। हो सकता है घर पर फोन करना चाह रही हो या घर जाने के लिए किराए के पैसे मांगने आई हो।" अब सुबह-सुबह सभी अपनी-अपनी दिनचर्या की आपा-धापी में व्यस्त होते हैं। इस बेचारी की मजबूरी कोई समझ नहीं पाया।" उस पर पानी के छींटें मारकर उसे होश में लाने की काफी कोशिश की गई, उसकी धड़कने धड़क रही थी, पर शरीर हरकत नहीं कर रहा था। रुचिका दफ्तर जाना भूल गई। दो-चार जवानों की मदद से उसे अपनी कार में डालकर फटाफट अस्पताल ले गई। उसके मन में आत्मग्लानी का बोध था-"उस बेचारी की जुबान में कंपन थी, हलक भी सूख रहा था। उसने इशारों में अपनी बात समझाने की कितनी कोशिश की थी-उस समय इसे दो घूंट पानी ही पिला देती।" काश! सुबह इसकी समय पर मदद कर दी होती। अंतर्द्वंद्व की ऊहापोह में उलझी–अब यह रुचिका क्या करती–रोज़ नए रूपों में होने वाले धोखे और ठगी की वारदातों ने तो जरूरतमंदों की मदद पर से भरोसा ही खत्म कर दिया है। अब इस मासूम निधि की सच्ची पुकार भी शक के घेरे में आ गई। तेरे मन के पेंडुलम में झूलती इस शक की सुई ने दांव पर लगा दी ना एक मासूम ज़िंदगी। रुचिका की बढ़-चढ़कर निधि की मदद के कारण पीजीआई के डॉ विपुल शाह ने -"क्या हुआ इसे...?"

रुचिका- "डॉ. साहब, पता नहीं, सड़क के किनारे बेहोश मिली है।" डॉ विपुल शाह-"फिर तो पुलिस केस बनेगा। क्या यह आपकी पहचान में है?"

रुचिका - "नहीं, फिर भावुक होते हुए - डॉ. साहब, आप पुलिस को सूचित कर दीजिए, लेकिन पहले इसका इलाज शुरू कीजिए।" डॉ. विपुल शाह-"कल को कोई समस्या हो गई तो बात हमारी नौकरी पर आ जाएगी। आप तो पढ़ी-लिखी समझदार हैं, आपको पता ही है मीडिया और पुलिस का..।" रुचिका - "डॉ. साहब, मैं गारंटी ले रही हूं। आप इसका इलाज शुरू करिए।" लेकिन साथ आए युवक-"मैडम, कल को कोई लफड़ा हो गया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। ऐसे निर्णय जज्बातों में बहकर जल्दबाजी से नहीं लिए जाते।"

रुचिका-" सुबह इस बेचारी की मदद ना कर पाने के कारण इसकी रुकती सांसों पर लेने के देने तो अभी भी पड़ रहे हैं।" युवक-"मैडम, पुलिस को आने दीजिए। केस की तहकीकात के पश्चात कोई फैसला लेना उचित होगा।"

रुचिका-" पर, तब तक बहुत देर हो जाएगी। अगर इसे कुछ हो गया तो, मैं तो जीते जी ही मर जाऊंगी।" वह निधि के इलाज में एक सेकेंड की देरी भी सहन नहीं कर पा रही थी, इसलिए उसकी निगाहें केवल निधि पर टिकी थी। डॉक्टरों के रोकने के बावजूद उसके कदम बार-बार उसके बेड की तरफ मुड़ जाते तथा उसकी धड़कनों की पुष्टि कर आते थे। पुलिस ने आते ही शीघ्रता से पूछताछ करके अपनी फाइल बना ली तथा डॉक्टर भी बड़ी तन्मयता से निधि के इलाज में जुट गए। उसकी लगातार उखड़ती सांसों के बावजूद उसकी जिंदगी के लिए धरती के भगवानों की उस सर्वशक्तिमान से जंग जारी रही। रुचिका वहीं बैठी रही तथा हाथ जोड़कर भगवान से प्रार्थना करती रही। हर बीतते पल के साथ उसे अपनी गलती का अहसास और भारी लगता जा रहा था और दिमाग स्कूल के गलियारे में पढ़ी 'हार की जीत' कहानी में घूम रहा था। बाबा भारती ने तो डाकू खड़क सिंह से यह वचन लिया था कि तुम दुनिया को यह मत बताना कि तुमने बाबा भारती से यह घोड़ा कैसे लिया है, वर्ना लोग अपाहिजों और दीन-दुखियों की मदद करना छोड़ देंगे। आज तक हमें द्वार पर ही रोक हुए हो। द्वार के सामने से हटते हुए नौरंगीलाल ने पूछा क्या खुशखबरी है भाई मेरे लिए। पांचों खद्दरधारी अंदर जाकर सोफे पर बैठ गए। नेताजी यानी एमपी साहब इस चुनाव में आपको अपनी पार्टी से टिकट दिलवाना चाहते हैं। मुझे...मुझे क्यों भाई, नारंगी के चेहरे पर आश्चर्य से हवाइयां उड़ने लगी। ... क्योंकि आप इस क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति हो, हमारी पार्टी का नाम भी ईमानदार पार्टी है इसलिए एमपी साहब ने फैसला किया है कि अपने क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति से चुनाव लड़वाएंगे। पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है नारंगीलाल जी मेरा नाम रामधन है, चुनाव जीतने के बाद आप हमको भूल नहीं जाना। नौरंगीलाल के सीने में आत्मविश्वास भर गया। चुनाव के लिए धन कहां से आएगा उन्होंने अपनी शंका प्रकट की। नौरंगीलाल जी, आप चिंता न करें नेताजी को सब पता है। ईमानदार आदमी के पास धन नहीं होता इसलिए आप पार्टी फंड से चुनाव लड़ेंगे।

नारंगी ने कभी सोचा भी नहीं था कि बिल्ली के भागों से चिक टूट पड़ेगा। यूं स्कूल में हिंदी अध्यापक ने एक बार निबंध लिखवाया था कि यदि मैं शिक्षा मंत्री बन जाऊं, निबंध में सबसे अधिक अंक उसके ही आए थे। नारंगी लाल ने कहा कि भाई साहब, आपकी बात तो ठीक है, अपने देश में नेताजी तो ईमानदार होने ही चाहिए, फिर भी भाई साहब, एक बार मैं अपनी पत्नी से पूछ लेता हूं क्योंकि मैंने उनके साथ सात फेरे लेते हुए वचन दिया था कि विशेष फैसलों का निर्णय लेते हुए मैं उनकी सलाह अवश्य लूंगा। उत्साह से नौरंगी लाल अंदर कमरे में चले गए। पत्नी भी दरवाजे की ओर खड़ी सब सुन रही थी। नौरंगी का कमीज खींच कर कोने में ले गई और बोली कि तुरंत हां कर दो जी, ऐसा मौका बार-बार नहीं आएगा। एक बार चुनाव जीत गए तो जन्म-जन्म की गरीबी धुल जाएगी। अरे क्या कह रही हो, ईमानदारी के कारण तो हमको टिकट मिल रहा है और तुम क्या बात करती हो। सब नेता लोग ईमानदार ही होते हैं और कोई व्यवसाय व्यापार भी नहीं करते, फिर भी उनकी धन-संपत्ति बढ़ती ही रहती है। जाओ, जल्दी से हां कर दो... कहते हुए पत्नी ने नौरंगी लाल को बाहर की ओर धकेल दिया। बैठक में पहुंचते ही नौरंगी लाल ने कहा कि टीनू की मम्मी ने हां कर दी है।

बहुत अच्छा... अब आपका टिकट पक्का समझो, हां चुनाव जीतकर हम पांचों को भूल नहीं जाना। मेरा नाम धनीराम है और कल 10:00 बजे आप तैयार रहना, मैं आपको गाड़ी में अपने साथ पार्टी कार्यालय ले जाऊंगा। तीसरे खद्दरधारी ने कहा ..अब हम चलते हैं। अरे भाई, कुछ चाय-नाश्ता नहीं करोगे क्या? नौरंगी ने औपचारिकतावश कहा। कल आपके साथ पार्टी कार्यालय में ही पार्टी करेंगे, पांचों खद्दरधारी हाथ मिलाकर बाहर निकल गए। उनके जाते ही नौरंगी की पत्नी तुरंत आ धमकी। टीनू के पापा, कमाल हो गया। अब आप बन जाओगे मंत्री जी लोग मुझे भी मंत्राणी जी पुकारेंगे। ईमानदार पार्टी ने तो हमारे लिए कमाल ही कर दिया भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं।

भागवान तू तो रोज मेरी ईमानदारी पर ताना मारती थी, मुझे रिश्वत लेने पर विवश करती थी।

क्या बात करते हो जी? मैं तो आपसे मजाक करती थी, मुझे अच्छे से मालूम है कि ऑनेस्टी इस द बेस्ट पॉलिसी और इसी ईमानदारी ने आपको टिकट दिलवाया है।

यही बात बिल्कुल यथार्थ हो गई है। पीड़ा की गहन अनुभूति में वह खुद से बड़बड़ाई - "बाबा भारती और सुल्तान तो हारकर भी जीत गए थे, पर यह रुचिका विश्वास की कसौटी पर.....।" पुलिस की तत्परता तथा नवयुवकों की सोशल मीडिया पर सक्रिय कोशिशों से निधि की पहचान मिल गई। वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। पता लगते ही रोता-बिलखता पूरा परिवार अस्पताल आ गया। उसकी मां बिलखते हुए बोली-"बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी। स्कूटी पार्किंग में ही खड़ी रही और बेटी लौटकर नहीं आई। पास के पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वहां के सीसीटीवी फुटेज की मदद से देखा - निधि शॉपिंग करके पार्किंग की तरफ जा रही है, तभी पीछे से बिना नंबर प्लेट के तेज गति से आती गाड़ी का दरवाजा खुला, किसी ने उसे गाड़ी के अंदर खींच लिया और गाड़ी सरपट भगा दी। अंधेरे के कारण सीसीटीवी कैमरे में किसी का भी चेहरा स्पष्ट नजर नहीं आया।" उसके मां-बाप से ज्यादा रुचिका सदमे में थी और जोर-जोर से बिलखते हुए-"उन दरिंदों के बराबर मैं भी कसूरवार हूं।" निधि के मां-बाप ने उसे प्यार से तसल्ली दी–"बेटी, खुद को दोष मत दो.. होनी अटल है।" डॉक्टरों के अनुसार- इसके साथ कई बार गैंगरेप किया गया है तथा यह दो दिन से भूखी-प्यासी भी है। लगता है चलती गाड़ी से धक्का दिए जाने के कारण इसके शरीर के अंदरूनी हिस्सों में आई गहरी चोटों का रक्तस्राव रुक नहीं रहा है। भीतर रक्त के थक्के जमने लगे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है। हाई बीपी के कारण अभी ऑपरेशन करना संभव नहीं है, इसलिए दवाइयों से इसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। बेटी की हालत को देखते हुए उसके पापा उसे किसी अच्छे अस्पताल में शिफ्ट करने की विनती करने लगे, लेकिन उसकी नाजुक हालत को देखते हुए, पीजीआई के डॉक्टरों ने इसकी इजाजत नहीं दी ।

तभी डॉक्टर द्वारा निधि के होश में आने की खबर किसी चमत्कार से कम नहीं थी। अब सभी को उम्मीद की किरण नजर आने लगी तथा उसके इर्द-गिर्द जमा होकर भगवान का शुक्रिया अदा करने लगे। हम सबसे ज्यादा पुलिस को उसका बयान लेने की जल्दी थी। निधि होश में कम, बेहोशी में बड़बड़ाए जा रही थी–" छोड़ो.. छोड़ो.. दर्द.. हो.. रहा.. है.. तुम.. चार...गंदी..हरकत, मैं.. गाड़ी..से..कूद.." उसकी जुबान लड़खड़ा रही थी और वह जोर-जोर से सांसें ले रही थी। डॉक्टरों ने उसे नियंत्रित करने की बड़ी कोशिश की लेकिन उसकी जिंदगी फूलती सांसों से हार गई। जिंदगी की सरपट सड़क पर दौड़ती रुचिका अपने ही व्यंग्य बाणों से घायल थी-"दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो, कुछ तो शर्म करो, भरी जवानी में....।"

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक प्रतिबद्धता व कलात्मक संतुलन है 'सदियों में गुज़रते पल'

समीक्षक

डॉ. कुमुद रामानंद बंसल

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' का लघुकथा संग्रह 'सदियों में गुज़रते पल' समकालीन हिंदी साहित्य में समय, समाज और संवेदना के अंतरसम्बंधों का गहन और सुस्पष्ट दस्तावेज है। यह कृति क्षणिक घटनाओं के पीछे छिपी उन संरचनात्मक सच्चाइयों को उद्घाटित करती है, जिनकी टीस सदियों तक बनी रहती है। शीर्षक का द्वंद्व 'पल' और 'सदियां'- व्यक्तिगत पीड़ा और सामूहिक स्मृति के बीच तनाव रचता है; यही तनाव इस संग्रह की वैचारिक धुरी भी है। विधागत दृष्टि से यह संग्रह समकालीन लघुकथा परंपरा में विवेक-प्रधान और नैतिक प्रश्नोन्मुख प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यहां कथाएं घटना-प्रधान सनसनी नहीं रचतीं, बल्कि विवेक को उकसाती हैं। लेखिका का सरोकार मनुष्य से है- उस मनुष्य से जो व्यवस्था में पिसता भी है और कभी-कभी उसी व्यवस्था का औजार भी बन जाता है। इसीलिए इन लघुकथाओं में प्रत्यक्ष उपदेश नहीं, बल्कि नैतिक असहजता का निर्माण है। संग्रह की उद्घाटन कथा 'सौदागर' सत्ता और राजनीति के यथार्थ को तीखे रूपक में ढालती है- जहाँ कंबल और राशन के बदले "दिमाग़ और आत्मा" खरीदे जाते हैं। सांप्रदायिक उन्माद पर आधारित 'अल्लाह और ईश्वर बह गए' में धर्म, भीड़ और हिंसा का गठजोड़ मानवीय विवेक को रक्तरंजित यथार्थ में बदल देता है। 'मैं ज़िंदा हूँ' तंत्र की त्रुटियों को इस हद तक उजागर करती है कि जीवित व्यक्ति अपनी पहचान से वंचित हो जाता है- यह संवेदनहीन व्यवस्था की तीखी आलोचना है। इस संग्रह का एक महत्त्वपूर्ण आयाम भीड़-मानसिकता और तमाशबीन समाज का विश्लेषण है। शिल्प की दृष्टि से ये लघुकथाएं सधी हुई हैं- भाषा सरल, संवाद स्वाभाविक और संरचना कसावपूर्ण। अंत चौंकाने के लिए नहीं, बल्कि सोच को गहरा करने के लिए आते हैं। डायरी-शैली, एकालाप और मानवेतर दृष्टि जैसे प्रयोग वैविध्य देते हैं, पर कथ्य पर हावी नहीं होते। इन रचनाओं की एक बड़ी शक्ति मौन का सौंदर्य है- शब्दों के बीच की रिक्तियां बोलती हैं, और वही अर्थ को गाढ़ा करती हैं। समग्रतः, सदियों में गुज़रते पल समकालीन हिंदी लघुकथा को वैचारिक गहराई, सामाजिक प्रतिबद्धता और कलात्मक संतुलन प्रदान करने वाला सशक्त संग्रह है। इसे पढ़कर पाठक राहत नहीं, असुविधा के साथ उठता है और यही गंभीर साहित्य की सबसे बड़ी सफलता है। यह कृति सहानुभूति से आगे बढ़कर आत्मपरीक्षण और नैतिक उत्तरदायित्व की मांग करती है; इसी में इसकी स्थायी साहित्यिक महत्ता निहित है।

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'

कवि कॉर्नर

कविता डॉ. कमलेश मलिक

समय की धार

सुपर पावर देश का बन स्वामी महान
ट्रंप ले आया हास्य विनोद का सामान
चार्ली चैपलिन से करतब दिखा- दिखा
तान लिया है उसने कीर्ति का वितान

चाहा था शांतिदूत का मिले पुरस्कार
अब भर रहा प्रतिदिन युद्ध में हुंकार
रह गया उलझ कर अपने ही जाल में
कमजोर नहीं दुश्मन , दे रहा ललकार

वर्चस्व जमाने कभी पहुंचा था वियतनाम
आठ साल लड़कर भी हुआ था नाकाम
अफगानिस्तान ने भी छक्के छुड़ा दिए भाग
कर आकाश का आंचल लिया थाम।

इजराइल ने खींच लिए अपने तीर कमान
ट्रंप महाशय हंस कर बदलते रोज बयान
कूटनीति या पटाक्षेप ? है विश्व अचंभित
रही-सही साख कहीं ना ले बैठे ईरान!

निष्फल सारे हो गये महाशक्ति के वाण
कोई चारा नहीं जो मिले तेल की खान
काट के घोड़े कहां लड़ें मैदानी जंग
अमरीकी जनता दे दे अपने गुरु को ज्ञान

चिंतक की मुद्रा में है भारत का व्यवहार
नाप रहा है, तोल रहा वह समय की धार
तूफानी आहट का है आभास उसे भी जो
नौका पार उतारे वह ढूंढ रहा पतवार।

कविता सुधीर ढांडा कौल

सांसें भी घुटने लगी

अब धीरे धीरे गर्मी बढ़ने लगी है,
देखो हर चीज अब तपने लगी है।

बिन बिजली के गाँव व शहर में,
देखो सांसें भी अब घुटने लगी हैं।

घर से बाहर कोई कैसे निकले,
गर्म गर्म हवाएं जो चलने लगी हैं।

लोग अपने घरों में दुबकने लगे,
बाजारों की रौनक भी खोने लगी हैं।

गर्मी से पशु पक्षी सब हाँपने लगे,
तालाब बावड़ी सब सूखने लगी हैं।

जानवर जंगल से दूर भागने लगे,
जंगल में आग जो सुलगने लगी है।

होंठ सूखे से रहते हैं अब 'सुधीर,
अब प्यास भी ज्यादा लगने लगी है।

व्यंग्य मधुकांत

नौरंगीलाल को मिल गया टिकट

पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है।

नौरंगीलाल शाम को अपने ड्राइंग रूम में बैठे टीवी पर समाचार देख रहे थे। लोकसभा के चुनाव की घोषणा हो चुकी, आचार संहिता लग गई। नौरंगीलाल 10 वर्ष से कच्चे कर्मचारियों के रूप में काम कर रहा है अर्थात 10 वर्ष से उसके सिर पर कच्चे धागे से बंधी तलवार लटक रही है। 10 वर्ष पुराना धागा कमजोर हो चुका है, फिर भी न जाने कब टूट जाए और तलवार उसके सिर पर गिरे और वह लहूलुहान हो जाए।

चुनाव की घोषणा से पूर्व 10 वर्ष पुराने कर्मचारियों को पक्का आश्वासन दे रखा था कि उनको पक्का कर दिया जाएगा। प्रतिदिन अखबार में शुभ समाचार सुनने के लिए उसकी आंखें थक गई थी। शुभ समाचार तो नहीं आया परंतु एक दिन अचानक चुनाव की तारीख घोषित हो गई। नारंगी लाल के सिर पर लटकती तलवार लटकती ही रह गई। समाचारों से विरक्त नौरंगी आजकल धार्मिक चैनल देखने लगे। आज भी वह आस्था चैनल पर भगवान राम को सीता हरण के बाद विलाप करते हुए देख रहे थे, तभी अचानक द्वार पर दस्तक हुई। सीता को उठाकर अट्टास करते रावण का दृश्य देखकर नौरंगीलाल घबरा सा रहा था। इस घबराए मन से उठकर उसने द्वार खोला तो पांच खद्दरधारी नेताओं को देखकर चौंक गया, क्या मालूम रावण की भांति यह भी मेष बदलकर आए हों। आधा द्वार खोलकर उसने पूछा कहिए जनाब। अरे नौरंगीलाल जी, हम तो आपके लिए खुशखबरी लाए हैं और आप मिठाई खिलाने के बदले अभी

कुछ हटकर

बी. टेक सीएससी के बाद करियर विकल्प

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

डिजिटल युग के सबसे प्रतिष्ठित पेशे बी.टेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को कंप्यूटर सिस्टम, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेटवर्किंग जैसी आधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग लैंग्वेज , डेटा स्ट्रक्चर, एल्गोरिद्म, डेटाबेस मैनेजमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और मशीन लर्निंग जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीकी समस्या समाधान, तार्किक सोच, और नवाचार की दिशा में सक्षम बनाना है।

उच्च शिक्षा के मौके

कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में अनेक शाखाएँ हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं। बी.टेक सीएसई के बाद विद्यार्थी अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाकर विशेषज्ञता और करियर अवसर दोनों बढ़ा सकते हैं।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी
- मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डेटा एनालिटिक्स
- साइबर सिक्योरिटी, या क्लाउड कंप्यूटिंग
- अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन
- अमेजन वेब सर्विस
- माइक्रोसॉफ्ट अजोर
- गूगल क्लाउड
- सिस्को सीसीएनऐ
- कॉम्प टीए सिक्योरिटी

आवश्यक कौशल

कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। सफल करियर के लिए विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान और नवाचार की क्षमता, प्रोग्रामिंग एवं कोडिंग दक्षता, डेटा विश्लेषण एवं साइबर सुरक्षा समझ आदि क्षमताओं का होना आवश्यक है।

निजी क्षेत्र में विकल्प

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के इस युग में बी.टेक सीइसई स्नातकों की मांग देश-विदेश दोनों में लगातार बढ़ रही है। टेक कंपनियां, बैंकिंग सेक्टर, फिनटेक, ई-कॉमर्स, और क्लाउड-आधारित उद्योगों में इनकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन 4 से 8 लाख वार्षिक के बीच होता है, जो अनुभव और विशेषज्ञता के साथ 15 से 25 लाख वार्षिक या उससे अधिक तक पहुँच सकता है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, इनफ़ोसिस, टीसीएस, एक्सेंचर, और आईबीएम जैसी कंपनियाँ इन स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी तकनीकी सेवाओं, अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और डेटा प्रबंधन से जुड़ी सरकारी नौकरियों में योगदान दे सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक की प्रारंभिक आय 4 से 6 लाख वार्षिक होती है, जबकि उच्च पदों और अनुभव के साथ यह आय 12 से 15 लाख वार्षिक तक हो सकती है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

आत्म-अनुशासन ही सफलता की कुंजी

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा सफल होना चाहता है। अच्छा करियर, पहचान, सम्मान और आत्मनिर्भर जीवन। अवसर भी पहले से कहीं अधिक हैं, संसाधन भी उपलब्ध हैं, लेकिन इसके बावजूद असंतोष, भ्रम और असफलता की भावना बढ़ती जा रही है। इसका कारण प्रतिभा या अवसरों की कमी नहीं, बल्कि उस मूल गुण की अनदेखी है जिस पर सफलता टिकती है: आत्म-अनुशासन। हम अक्सर प्रेरणा की तलाश में रहते हैं। मोटिवेशनल वीडियो देखते हैं, किताबें पढ़ते हैं, सेमिनार सुनते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि प्रेरणा क्षणिक होती है, जबकि आत्म-अनुशासन वह शक्ति है जो बिना प्रेरणा के भी हमें आगे बढ़ाता है। जब मन न हो, तब भी सही काम करना, यही आत्म-अनुशासन है। आत्म-अनुशासन का अर्थ है, आराम से बाहर निकलकर प्रयास करना, बहानों को पहचानकर उनसे ऊपर उठना और लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहना। दुनिया का कोई भी सफल व्यक्ति केवल प्रतिभा या भाग्य के कारण नहीं, बल्कि अनुशासन के कारण आगे बढ़ा है। प्रतिभा अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन ही उस अवसर को परिणाम में बदलता है। आज की सबसे बड़ी चुनौती अवसरों की कमी नहीं है, बल्कि ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, तुरंत सफलता की चाह और दूसरों से तुलना: ये सभी युवा को अस्थिर बनाते हैं। ऐसे समय में आत्म-अनुशासन ही वह कवच है, जो व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर टिके रहने की शक्ति देता है। आत्म-अनुशासन किसी एक दिन में विकसित नहीं होता। यह रोज के छोटे-छोटे निर्णयों से बनता है। समय पर उठना, रोज कुछ नया सीखना, स्क्रीन टाइम को सीमित करना, जिम्मेदारी निभाना और खुद से किया गया वादा निभाना। यही छोटी आदतें लंबे समय में बड़े परिणाम देती हैं। आज का युवा चाहे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, सरकारी नौकरी का सपना देख रहा हो, स्टार्टअप शुरू करना चाहता हो या किसी कौशल में विशेषज्ञ बनना चाहता हो- हर रास्ते की पहली शर्त आत्म-अनुशासन है। बिना अनुशासन के मेहनत बिखर जाती है। हमें यह भी समझना होगा कि असफलता अंत नहीं है। असफलता अक्सर अनुशासन की परीक्षा होती है। जो युवा गिरकर सीखता है और अनुशासन के साथ दोबारा उठता है, वही आगे चलकर मजबूत बनता है। आज जरूरत प्रेरणा से अधिक अनुशासन की है क्योंकि आत्म-अनुशासन ही वह आदत है, जो हर सपने को हकीकत में बदलने की ताकत रखती है।

लघु कथा

नैतिकता

डॉ. तबस्सुम जहां
कहानीकार

'सर आपको जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक।'

ओह संगीता, बहुत शुक्रिया। क्या हमारे जन्मदिन पर मुंह मीठा नहीं कराओगी?

संगीता को खटका हुआ। सर के इस वाक्य का आशय वह भली-भांति जानती है। एक साल से वह झेल रही है कि उसके निर्देशक कैसे पढ़ाते -पढ़ाते बिना बात विषय प्रेम और सेक्स से जोड़ देते हैं। वह अक्सर उनकी इन हरकतों पर सकपका जाया करती थी। चूंकि संगीता एक खुद्दार और स्वाभिमानी लड़की थी इसलिए डॉ. विमल कुमार के किसी झांसे में नहीं फंसती थी। कभी सख्ती से उनसे बोल भी देती 'प्लीज़ सर मुझसे ऐसी बातें न किया करें।'

उनकी बातों के लिजलिजेपन को वो बीते एक साल से झेल रही थी पर पीएचडी अटक जाने के डर से न तो सुपरवाइज़र बदल सकती थी और न ही परिस्थितियों से भाग सकती थी। और डॉ. विमल कुमार थे कि जब-तब उसके सामने प्रेम आग्रह करते रहते।

उस दिन भी विमल कुमार ने उसे टोका- 'फिर क्या सोचा संगीता तुमने'

'माफ़ कीजिए सर, आप मेरे गुरु हैं, मैं आपको पिता तुल्य मानती हूं। मेरी नैतिकता इसकी इजाज़त नहीं देती। आप मेरे पिता समान हैं।'

'तो एक काम करो, तुम मुझे पिता समझ कर गले लगा लो और मैं तुम्हें अपनी गर्लफ्रेंड समझ कर गले लगा लेता हूँ।' दोनों की नैतिकता बची रहेगी।

संगीता के शरीर में काटो तो खून नहीं। वह आवाक़ रह गई। आज उसे नैतिकता का नया पाठ पढ़ाया गया है, वो भी शिक्षा के मंदिर में। उसने घृणा से सिर झुका लिया।

भारत माता मंदिर में हवन व भंडारे के साथ शिव महापुराण कथा संपन्न

भगवान शिव से जुड़े प्रसंग सुनाकर धर्मसम्मत कार्य के लिए किया प्रेरित

धर्मसम्मत किए गए सद्कार्यों का परिणाम हमेशा सुखद और कल्याणकारी होता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अध्यात्म व देशभक्ति की अलख जगाने वाले भारत माता मंदिर में सात दिवसीय शिव महापुराण कथा हवन व भंडारे के साथ संपन्न हुई। समाजसेवी स्व. चौ. फतेहचंद, स्व. माता हरबंस कौर एवं स्व. विजय शर्मा की स्मृति में आयोजित की गई शिव महापुराण कथा के दौरान प्रसिद्ध कथा व्यास पंडित कृष्ण शरण शास्त्री महाराज ने भगवान शिव से जुड़े विभिन्न प्रसंग सुनाकर सच्चे मन से भगवान की आराधना करते हुए धर्मसम्मत कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि धर्मसम्मत किए गए सदकार्यों का परिणाम हमेशा सुखद और कल्याणकारी होता है। इसलिए सभी के साथ छल-कपट रहित व्यवहार करना चाहिए। भारत माता मंदिर के संरक्षक अनिल महत्ता ने बताया कि कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रातः आचार्य संतोष शास्त्री व पुजारी पंडित रामकिशोर शुक्ल ने पूरे विधि विधान व मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ किया। हवन-यज्ञ के उपरांत सात्विक भंडारे का आयोजन किया गया। हवन व भंडारे में विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में भारत माता मंदिर मातृशक्ति की विशेष भूमिका व योगदान रहा। इस अवसर पर लता सिंगल, मनोरमा गुप्ता, परवीन अरोड़ा, इंदु गोयल, मधु बंसल, रेखा व बिमला कथूरिया मौजूद रहे। इस दौरान अर्चना अग्रवाल, रीना गुप्ता, मीनू सिंगला, मीरा, कैलाश, कीर्ति मित्तल, प्रीति सिंगल, राधा शुक्ला, पूनम मित्तल, निशा गोयल, सुनैना सिंगला, अंजू गर्ग, माधुरी मिश्रा व सुनीता सोनी सहित भारत माता समिति एवं महिला मंडल की समस्त सदस्य उपस्थित रही। इस दौरान रामनिवास अग्रवाल सीए व मांगेराम गुप्ता सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

हिसार। भारत माता मंदिर में आयोजित हवन व भंडारे में हिस्सा लेते श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

शिव महिमा सुनना अत्यंत कल्याणकारी

वृंदावन से पधारे कथा व्यास पंडित कृष्ण शरण शास्त्री महाराज ने भारत माता मंदिर में शिवकथा के सातवें दिन भगवान द्वादश ज्योतिर्लिंग कथा से साक्षात्कार करवाया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की महिमा अनंत और अनादि है। इसे श्रवण करना अत्यंत कल्याणकारी है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव जल व बेलपत्र चढ़ाने से ही प्रसन्न हो जाते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। उनकी असीमित विशेषताओं के कारण उन्हें भोलेनाथ, महादेव व आदियोगी के रूप में जाना जाता है।

ओशो ध्यान उपवन में 10 अप्रैल से होने वाले मेडिटेशन कैंप की तैयारियां शुरू

■ नियमित ध्यान करने से मन की अशांति दूर होकर चैतन्य जागृत होता है : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान : प्रेम उत्सव विषय पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस ध्यान सत्र में स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को ध्यान का महत्व समझाते हुए इसे उत्सव की तरह प्रेमपूर्वक अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और ध्यान विधियों का अभ्यास किया।

ध्यान सत्र के दौरान स्वामी संजय ने साधकों को बताया कि सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में 10 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय मेडिटेशन कैंप की तैयारियां शुरू हो गई हैं। उन्होंने बताया कि ध्यान का विज्ञान विषय पर आधारित मेडिटेशन कैंप 10 से 12 अप्रैल तक रहेगा। 10 व 11 अप्रैल को कैंप प्रातः 8 बजे शुरू होगा और सायं 6 बजे तक जारी रहेगा। 12 अप्रैल को मेडिटेशन कैंप की शुरुआत प्रातः 8 बजे ही होगी और दोपहर 2 बजे समापन होगा। इस शिविर में आचार्य शेखर ध्यान विधियों से रूबरू करवाते हुए इनकी जीवन में उपयोगिता से रूबरू करवाएंगे। स्वामी संजय ने कहा कि मेडिटेशन कैंप के दौरान साधकों को जीवन जीने के सही ढंग से भी परिचय करवाया जाएगा।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में ध्यान का महत्व समझाते स्वामी संजय।

ध्यान होती है मन की अशांवि दूरः संजय

प्रेम उत्सव सत्र के दौरान स्वामी संजय ने साधकों को समझाया कि ध्यान, प्रेम व उत्सव आपस में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि ध्यान ऐसी प्रक्रिया है जब इंसान अपने खुद के भीतर गहरे तक उतरता है। इससे मन की अशांति दूर होती है और चैतन्य जागृत होता है। उन्होंने कहा कि प्रेम की गहराई को समझकर इसे आध्यात्मिक विकास का साधन बनाया जा सकता है। इसी भांति मनुष्य को हर दिन बल्कि हर पल को उत्सव की तरह मनाना चाहिए। खुश और आनंदित होने के लिए किसी त्योहार या विशेष दिवस की जरूरत नहीं होती, इंसान हर पल को आनंदमय व खुशनुमा बना सकता है।

वाहन चलाते समय यातायात नियमों की पालना करें चालक : एसपी

हांसी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए वाहन चालकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि सड़क पर सुरक्षित रहना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और यातायात नियमों का पालन करना जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने वाहन चालकों के लिए जारी एडवाइजरी में कहा है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। ओवरस्पीडिंग, नशे की हालत में वाहन चलाना, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए ड्राइविंग करना तथा गलत दिशा में वाहन चलाना दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं, जिनसे हर हाल में बचना चाहिए। एसपी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे वाहन चलाते समय स्टंटबाजी, रेसिंग तथा बुलेट व अन्य वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर (पटाखा) का प्रयोग न करें।

आदमपुर। संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी को सम्मानित करते स्टाफ।

राजकीय पॉलिटेक्निक मंडी आदमपुर में उद्यमिता जागरूकता सेमिनार

आदमपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक मंडी आदमपुर के उद्यमिता प्रकोष्ठ की ओर से विद्यार्थियों में स्वरोजगार और नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से उद्यमिता जागरूकता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान की सभी शाखाओं के लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विनेश नागपाल एवं पराश, वरिष्ठ संकाय सदस्य आईईसीएस, हिसार उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आज के समय में केवल नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं का उद्योग या व्यवसाय शुरू करना भी एक बड़ा अवसर है। उन्होंने सफल उद्यमी बनने के लिए नवाचार, कौशल विकास, जोखिम लेने की क्षमता और निरंतर सीखते रहने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

ताली कीर्तन में श्रद्धालुओं ने गाए भजन

हिसार। महाभारतकाल के साक्ष्यों को संजोने वाले प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम की ओर से हुए निशुल्क ताली कीर्तन में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं को अध्यात्म से जोड़ने के लिए शुरू किए गए ताली कीर्तन की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए हिसार के मिल गेट एरिया में सीताराम शटरिंग स्टोर के नजदीक भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस भजन संध्या में बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा व अन्य गायकों ने श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करके समां बांध दिया। इस दौरान बीड़ बबरान धाम से लाई गई अखंड ज्योति के दर्शन करके भक्त अभिभूत हो गए और कीर्तन का पंडाल जय श्याम बाबा के उदघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने तालियां बजाते हुए भजन गाकर श्याम बाबा की आराधना की।

हिसार। पेंटिंग अभियान चलाते संस्था के पदाधिकारी।

'हमारा प्यार हिसार' टीम ने पार्क की दीवारों पर उकेरा स्वच्छता का संदेश

हिसार। हर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने रविवार को डाबड़ा रोड पर स्थित एक पार्क में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने पार्क की दीवारों पर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण विषयों पर आधारित आकर्षक एवं प्रेरणादायक कलाकृतियां बनाईं। इन कलाकृतियों के माध्यम से टीम ने आमजन को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत करवाते हुए स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया। रंग-बिरंगी और संदेशपूर्ण पेंटिंग्स ने न केवल दीवारों की सुंदरता बढ़ाई, बल्कि वहां आने-जाने वाले लोगों का ध्यान भी अपनी ओर आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त, टीम ने शहरी विकास प्राधिकरण की बाहरी दीवार को टेराकोटा पेंट से रंग कर उसे नया और आकर्षक स्वरूप प्रदान किया।

भाजपा राज में बरवाला हलका बदहाल, जनता खुद देगी जवाब

हिसार। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बरवाला हलके में कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को की गई। बैठक में क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों, संगठन की मजबूती और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी साथी आगामी 'रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन मैराथन' में बढ़-चढ़कर भाग लें। यह कार्यक्रम एआईसीसी के एससी विभाग की ओर से 12 अप्रैल को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है, जो बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और संविधान के आदर्शों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है और इस कार्यक्रम का नेतृत्व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी करेंगे। बृजलाल बहबलपुरिया ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कह कि पिछले डेढ़ साल में बरवाला हलके में विकास के नाम पर एक भी ठोस कार्य नहीं हुआ है। भाजपा का विधायक होने के बावजूद क्षेत्र पूरी तरह उपेक्षित रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के मुद्दों से पूरी तरह कट चुकी है और केवल घोषणाओं तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बदतर होते जा रहे हैं। उन्होंने किसानों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि मंडियों में किसानों की फसल खुले में पड़ी हुई है, लेकिन सरकार समय पर खरीद नहीं कर रही।

सच्चा सुख आनंद और आत्मिक शांति प्राप्ति के लिए सत्संग जरूरी

■ गोयंका सेवा सदन (देवी भवन) में छठे दिन भी जारी रहे संत प्रवचन समागम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अखिल भारतीय सोहम महामंडल शाखा हिसार के तत्त्वावधान में गोयंका सेवा सदन देवी भवन में प्रारंभ हुए सात दिवसीय संत सम्मेलन के छठे दिन भगवान श्री कृष्ण ठाकुर जी के जयकारों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सत्संग को सुना। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद जी महाराज के कृपापात्र सोहं पीठाधीश्वर श्री स्वामी सत्यानन्द जी महाराज ने सत्संग में सच्चा सुख आनंद वह आत्मिक शांति प्राप्ति के बारे में बताया। महाराज जी कहा कि आज हम सच्चा सुख आनंद की प्राप्ति धन, दौलत, ऐशो, आराम में ढूंढते हैं, जबकि आनंद व आत्मिक शांति केवल मात्र सत्संग में होती है। इसलिए हमें ऐसा अवसर कभी भी नहीं गंवाना चाहिए जिसमें हमें संतों का संग करने का अवसर मिले। संत हमेशा दूसरों की भलाई के विषय में ही बताते हैं ताकि हम अपने जीवन में किसी का भला कर सके। महाराज श्री ने कहा कि हमें अपने दिनचर्या में कुछ समय परमात्मा की भक्ति व सिमरण में अवश्य लगाना चाहिए जिससे हमें अंदर की शांति का अनुभव होगा। सत्संग में पहुचें मेहमानों को आशीर्वाद स्वरूप स्मृति चिंह भेंट किया गया। इस अवसर पर राकेश गर्ग, रामकुमार रावलवासिया, इंद्र चंद राठी, चन्द्र भान गांधी, ईश आर्य, सुरेंद्र गर्ग, अनिल गुप्ता एडवोकेट, प्रवीण बंसल, अशोक, टेक चंद शर्मा, शिव कुमार गोयल, सुभाष असीजा, राजेंद्र गोयल, नथू राम सैनी इत्यादि श्रद्धालुओं ने संत महापुरुषों को माला पहनाकर आशीर्वाद लिया।

फसल बेचने में नहीं आनी चाहिए कोई परेशानी

मंडियों में सुचारू व व्यवस्थित फसल खरीद प्रक्रिया के लिए डीसी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

जिला की विभिन्न अनाज मंडियों में फसल खरीद प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से उपायुक्त राहुल नरवाल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीद कार्य में किसानों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उपायुक्त राहुल नरवाल ने हांसी जिले की मंडियों में खरीद व्यवस्था की निगरानी के लिए एसडीएम राजेश खोथ तथा नारनौंद क्षेत्र की मंडियों के लिए एसडीएम विकास यादव को विशेष रूप से जिम्मेदारी सौंपी है। दोनों अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से मंडियों का दौरा करें और व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने गेहूं और सरसों की खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें।

सरकारी खरीद में किसानों को सुविधा व उचित मूल्य करें सुनिश्चित

डीसी राहुल नरवाल ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार 28 मार्च से सरसों की सरकारी खरीद 6200 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर शुरू हो चुकी है, जबकि गेहूं की खरीद एक अप्रैल से 2585 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद कार्य सुचारू रूप से जारी रहे और मंडियों व खरीद केंद्रों पर बिजली, पानी, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि मंडियों में फसल लेकर आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ उचित प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने बताया कि गेहूं की खरीद के लिए सरकार द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन अनिवार्य है। गेहूं साफ, सूखा, परिपक्व और प्राकृतिक रंग-रूप का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की इस नीति का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाना तथा खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है। जिला प्रशासन इस दिशा में पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो और खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

श्रद्धा व भक्ति भाव से किया सुंदरकांड का पाठ

बरवाला। श्री रिसाल सिंह धर्मार्थ ट्रस्ट, बरवाला की ओर से डीएम हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लक्ष्मी विहार कॉलोनी स्थित निवास पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों एवं श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली व कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही परम पूज्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 साध्वी शक्तिपुरी जी महाराज ने अपने आशीर्वचन से उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन एवं प्रसाद वितरण किया गया।

कई जरूरी रास्ते बंद होने से लोगों का आवागमन हो रहा प्रभावित

जवाहर नगर की तरफ रेलवे बना रहा दीवार, लोगों में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ आदमपुर

जवाहर नगर मंडी आदमपुर में रेलवे प्लेटफॉर्म निर्माण कार्य के दौरान रेलवे लाइन के साथ दीवार बनाए जाने के कारण स्थानीय निवासियों में काफी आक्रोश है। इस दीवार से आम नागरिकों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो रही है और कई जरूरी रास्ते बंद हो गए हैं।

कांग्रेस नेता भूपेन्द्र सिंह कासनिया ने जवाहर नगर के प्रभावित लोगों के साथ सांसद जयप्रकाश, विधायक चंद्रप्रकाश व रेलवे इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों से बात की। सांसद जेपी व विधायक चंद्रप्रकाश ने आश्वासन दिया कि उच्च स्तर पर बात कर समाधान करवाएंगे जवाहर नगर के वासियों ने एक स्वर में मांग की है कि दीवार बनाने की जगह कोई वैकल्पिक समाधान निकाला जाए, जिससे जवाहर नगर और मंडी आदमपुर के बीच दीवार न बने और दोनों तरफ से आवागमन सुगम बना रहे।

आदमपुर। एकत्रित हुए शहर के नागरिक।

रेल मंत्री को दिए गए पत्र में रखी मुख्य मांगें

इस संबंध में जवाहर नगर ग्राम पंचायत ने रेल मंत्री को पत्र भी भेजा है। पत्र में मांग की गई है कि रेलवे लाइन के विस्तार और प्लेटफॉर्म निर्माण के दौरान पहले से बनी सड़क/सुगम रास्ते को बंद न किया जाए, दीवार बनाने की बजाय ऐसा विकल्प अपनाया जाए जिससे आम नागरिकों, स्कूली बच्चों, कॉलेज, आईटीआई, पॉलीटेक्निक छात्रों, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा अन्य आवश्यक सेवाओं को आने-जाने में कोई परेशानी न हो, गलियों में आवागमन बाधित होने और धार्मिक स्थलों (गुरुद्वारा साहिब, रामदेव मंदिर, शनि मंदिर) तक पहुंचने वाली सड़क को यथावत खुला रखा जाए, स्थानीय निवासियों को होने वाली परेशानी को देखते हुए रेलवे द्वारा तत्काल संज्ञान लिया जाए और पूर्व में बनी सड़क को बनाए रखा जाए।

कुंडली विशेषज्ञ ज्योतिष शिरोमणि पंडित विनोद दूबे ने लगाया दिव्य दरबार

■ दिव्य दरबार में श्रद्धालुओं की समस्याओं का किया निदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

स्थानीय सेक्टर 15 के सामुदायिक केंद्र में पंडित विनोद दूबे (जबलपुर वाले) का ज्योतिष विज्ञान का दरबार लगा। मंच पर पहुंचने पर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। समागम प्रारंभ करने से पूर्व पंडित विनोद दुबे ने मां भगवती व भगवान शिव की आराधना की और उपस्थित श्रद्धालुओं को मां लक्ष्मी का सामुहिक पूजन करवाया। उसके उपरांत समागम में पहुचे हरियाणा के अलावा अन्य प्रदेशों से पहुंचे श्रद्धालुओं की पर्ची के हिसाब से महाराज श्री ने समस्याओं का निदान किया। पंडित विनोद दुबे ने अनेक मंत्रो का जाप करने का व अपने आवास, प्रतिष्ठान पर पूजन करने की विधि व उपयुक्त मार्ग बताया। इसके अलावा सुंदर भजनों के माध्यम उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। समागम के दौरान श्रद्धालुओं को निःशुल्क रोग निवारक यंत्र दिए गए इसके अलावा अभिमंत्रित बांसुरी का वितरण भी किया गया।

हिसार। पंडित विनोद श्रद्धालुओं की शंकाओं का निवारण करते हुए व उपस्थित श्रद्धालु।

शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में नगर परिषद की पहल

नप ने तिकोना पार्क से जींद चौक तक चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद की आरे से तिकोना पार्क से लेकर जींद चौक तक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान निर्धारित सैनिटेशन प्लान के तहत संचालित किया गया, जिसमें सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। नगर परिषद की सफाई निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान सफाई कर्मचारियों की टीमों ने सड़क किनारों, नालियों तथा सार्वजनिक स्थलों की व्यापक रूप से सफाई की। इस दौरान कूड़े-कचरे का उठान सुनिश्चित किया गया तथा नालियों में जमा गंदगी को हटाकर जल निकासी व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया। अभियान के तहत विशेष रूप से उन स्थानों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जहां सामान्य दिनों में गंदगी जमा होने की संभावना अधिक रहती है। अभियान के दौरान नगर परिषद की टीम ने आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया और अपील की कि वे कूड़ा निर्धारित स्थानों पर ही डालें तथा शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। अधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भी निर्देश दिए कि वे अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें और गंदगी फैलाने से बचें।

हांसी। नगर परिषद की ओर से चलाए अभियान में सफाई करते कर्मचारी।

स्वच्छता बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी

उपायुक्त राहुल नरवाल ने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखना प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रकार के विशेष सफाई अभियान समय-समय पर जारी रखें, ताकि शहरवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

सुपवा के छात्रों ने पेंटिंग, स्कल्पचर, पॉटरी का किया लाइव प्रदर्शन

हिसार। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते सुपवा के विद्यार्थी।

हिसार। दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा), रोहतक के छात्र-छात्राओं की क्रिएटिविटी को तीन दिवसीय साहित्योत्सव 'अक्षरम' में जमकर सराहना मिली। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में किए गए 'अक्षरम' की क्रिएटिविटी पार्टनर डीएलसीसुपवा रही। इस दौरान सुपवा के छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग, स्कल्पचर, पॉटरी आदि कलाओं का लाइव प्रदर्शन किया। 'अक्षरम' के दौरान डीएलसीसुपवा के छात्रों को अपनी प्रतिभाएं दिखाने के लिए अलग-अलग मंच व स्थान अलॉट किए गए। कहीं फिल्म एंड टेलीविजन के छात्रों नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया तो कहीं शारीरिक गति के मनोभाव का प्रदर्शन किया। लॉन एरिया में विजुअल आर्ट्स के छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा से 'अक्षरम' में पहुंचे अतिथियों व हिसारवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लाइव पेंटिंग, स्कल्पचर मेकिंग, पॉटरी आदि देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। लोग बार-बार छात्रों से उनकी प्रतिभा के बारे में जानकारी लेते नजर आए। पेंटिंग कोर्स की द्वितीय वर्ष छात्रा लक्षिता जांगड़ा ने विद्या की देवी मां सरस्वती की पेंटिंग बनाई, जो हिसार के एक परिवार को बेहद पसंद आई और उन्होंने इसकी खरीदारी की। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने 'हरियाणा का साहित्य और पत्रकारिता में योगदान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विचार रखे। गुजवि के मुख्य ऑडिटोरियम के रिस्पेशन एरिया में सुपवा के फिल्म एंड टेलीविजन फैकेल्टी के छात्रों ने शारीरिक गति के मनोभाव का प्रदर्शन किया। छात्र प्रिंस, पुष्कर व सीनियर भारती की मूक अभिव्यक्ति व अदाकारी पर लगातार तालियां बजती रही। रवि मदीना व भारती के युगल डांस ने जमकर तालियां बटोरी, जबकि सपना के 'बोल तेरे मीठे-मीठे' गाने पर डांस को जमकर सराहना मिली। यश के डांस के अलावा भारती के सोलो डांस के साथ जीजेयू के छात्र भी झूमते नजर आए। शाम के समय खुले परिसर में एफटीवी के 15 छात्रों ने नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक किया। इस दौरान नशे के शरीर पर आने वाले दुष्प्रभावों के साथ ही नशे से समाज को हो रहे नुकसान के बारे में भी बताया गया। एफटीवी के छात्रों ने ऑपरेशन सिंदूर को नृत्य नाटिका के जरिए रोंगटे खड़े करने वाले, लेकिन शानदार अंदाज में पेश किया।

गुजवि के मुख्य ऑडिटोरियम के क्रश हॉल में डीएलसीसुपवा के फैकेल्टी ऑफ डिजाइन, फैकेल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स, फैकेल्टी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन व फैकेल्टी ऑफ आर्किटेक्चर के अंतर्गत चल रहे विभागों की ओर से कराए जा रहे कार्यों को दर्शाया गया। जिसमें स्कल्पचर, चित्रकला, आर्किटेक्चर मॉडल, प्रॉडक्ट डिजाइन में बनाए गए फर्नीचर, लाइफ स्टाइल असेसरीज में बनाए गए डिजाइन व जूते शामिल रहे। यहीं पर एफटीवी के छात्रों की नेशनल व इंटरनेशनल अवार्ड वीनिंग फिल्मों के बारे में पोस्टर्स से जानकारी दी गई। एनिमेशन डिपार्टमेंट में बनाए गए चित्रों को प्रदर्शित किया गया। जबकि, एडवरटाइजिंग से संबंधित विभिन्न सामाजिक विषयों 'बेटी बचाओ', 'पर्यावरण संरक्षण' आदि पर बनाए पोस्टर प्रदर्शित किए गए। टेराकोटा और सिरेमिक से बने आर्टिस्टिक वर्क को भी एग्जीबिशन में शोकेस किया गया।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय महोत्सव का समापन

अंतिम दिन विभिन्न विषयों पर गहन चिंतन-मनन और रचनात्मक कार्यशालाओं के साथ दीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

'अक्षरम्-2026' विचार, सृजन व संवाद का बहुआयामी उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'अक्षरम्' साहित्यिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव का तृतीय दिवस विविध विषयों पर गहन चिंतन-मनन, रचनात्मक कार्यशालाओं तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार सहित तीन अन्य सेमिनार सभागारों में समानांतर रूप से आयोजित सत्रों में देश के प्रतिष्ठित विद्वानों, साहित्यकारों, कलाकारों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने समकालीन वैश्विक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक प्रश्नों पर गंभीर विमर्श किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठियों और संवाद सत्रों में आज के समय से जुड़े अनेक ज्वलंत विषयों को केंद्र में रखा गया। इनमें 'सिनेमा और समाज', 'रचनात्मकता की चुनौतियाँ', 'विश्व युद्ध की ओर दुनिया, उलझन सुलझे ना', 'वैचारिक हिंसा और मीडिया', 'जलवायु परिवर्तन, विनाश बनाम विकास' तथा 'हरियाणा का साहित्य, संगीत और बदलते जमाने की बदलती तस्वीर' जैसे विषय विशेष रूप से चर्चा के केंद्र में रहे। इन सत्रों में वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय वैश्विक स्तर पर अनेक प्रकार के संकटों और चुनौतियों से घिरा हुआ है। ऐसे समय में साहित्य, सिनेमा, मीडिया और सांस्कृतिक विमर्श समाज को दिशा देने के महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं। 'सिनेमा और समाज' विषयक सत्र में वक्ताओं ने सिनेमा को केवल मनोरंजन का माध्यम न मानकर उसे समाज की चेतना और समय के दस्तावेज के रूप में देखा। उन्होंने कहा कि सिनेमा समाज की आकांक्षाओं, संघर्षों और परिवर्तनों को अभिव्यक्त करने वाला प्रभावशाली माध्यम है। वहीं रचनात्मकता की चुनौतियां विषय पर चर्चा करते हुए विद्वानों ने कहा कि बदलते डिजिटल युग में सृजनात्मकता के सामने कई नई चुनौतियां आईं, किंतु यही चुनौतियां नए विचारों और अभिव्यक्ति के नए आयाम भी खोलती हैं।

'विश्व युद्ध की ओर दुनिया 'उलझन सुलझे ना' विषय पर सत्र में वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों, अंतरराष्ट्रीय तनावों और मानवता के सामने उपस्थित संकटों पर गंभीर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि विश्व के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते संघर्ष और तनाव मानव सभ्यता के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे समय में संवाद, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

हिसार। अक्षरम् -2026 में नाद नेशन बैंड की संगीतमयी प्रस्तुति का आनन्द उठाते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली, कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व अन्य।

मीडिया की भूमिका बताई

'वैचारिक हिंसा और मीडिया' विषय पर हुई चर्चा में वक्ताओं ने मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी और उसकी नैतिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विचारों की दिशा निर्धारित करने वाला सशक्त मंच है। इसलिए मीडिया के लिए यह आवश्यक है कि वह संवाद, संतुलन और सत्यनिष्ठा को प्राथमिकता दे। पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण विषय 'जलवायु परिवर्तन रूप विनाश बनाम विकास' पर आयोजित सत्र में वक्ताओं ने कहा कि अनियंत्रित विकास की प्रवृत्ति ने प्राकृतिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस संदर्भ में भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में निहित प्रकृति-समन्वित जीवन दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

साहित्यिक विरासत पर चर्चा

'हरियाणा का साहित्य, संगीत और बदलते जमाने की बदलती तस्वीर' विषयक सत्र में हरियाणा की समृद्ध लोक सांस्कृतिक परंपरा, लोकगीतों, लोकगीत और साहित्यिक विरासत पर विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि समय के साथ बदलते सामाजिक परिवेश में भी हरियाणा की लोक संस्कृति अपनी मौलिकता और जीवंत बनाए हुए है। कार्यक्रम के अंतर्गत 'किताब लेखन' तथा 'कहानी लेखन कार्यशाला' भी हुई। इन कार्यशालाओं में प्रतिभागियों को रचनात्मक लेखन की विभिन्न विधाओं, भाषा की सजीवता, कथानक विन्यास, चरित्र निर्माण और अभिव्यक्ति की बारीकियों से परिचित कराया गया। विशेषज्ञों ने युवा प्रतिभाओं को लेखन के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि लेखन केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और समय के साथ संवाद स्थापित करने की सशक्त प्रक्रिया है। इन कार्यशालाओं में विद्यार्थियों और नवोदित रचनाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विद्यार्थियों ने दीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम के सांस्कृतिक पक्ष को और अधिक जीवंत बनाते हुए विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू कार्यालय तथा संगीत प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। संगीत, नृत्य और लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि को अत्यंत आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह, उल्लास और सौहार्द से भर दिया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विभागों की सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में दत्तात्रेय ठेंगड़ी पीठ, अर्थशास्त्र विभाग, गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, मनोविज्ञान विभाग, डीएसडब्ल्यू कार्यालय, संगीत प्रकोष्ठ, हिंदी विभाग तथा विश्वविद्यालय पुस्तकालय की उल्लेखनीय सहभागिता रही। इन सभी विभागों के समन्वित प्रयासों ने 'अक्षरम' को एक व्यापक और बहुआयामी बौद्धिक मंच का स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, प्रो. नरसी राम बिश्नोई, अतुल जैन, प्रो. अंशु जोशी, निधिन वाल्सन, पंकज झा, राजीव रंजन प्रसाद, अलिंद माहेश्वरी, आदित्य ओम, हिमांशु वैभव, बिन्द्र दनौदा तथा प्रो. संजीव कुमार आदि थे।

विचार और संवाद से सजा प्रथम सत्र

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय साहित्य एवं संस्कृति महोत्सव अक्षरम्-2026 के प्रथम सत्र का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं लेखक चंद्र प्रकाश द्विवेदी की उपस्थिति रही। सत्र का संचालन इंग्लिश विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पल्लवी ने किया, जिन्होंने अतिथियों का परिचय एवं उनकी उपलब्धियों का संक्षिप्त उल्लेख किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने हल्के-फुल्के हास्य और व्यंग्य के साथ की। उन्होंने सामाजिक जीवन, शिक्षा और भारतीय दर्शन पर अपने विचार साझा करते हुए उपनिषदों की मधुविद्या का उल्लेख किया और सत्य की खोज को जीवन का मूल उद्देश्य बताया। उन्होंने अपनी विशिष्ट शैली में गुरु-शिष्य परंपरा और गुरु दक्षिणा के प्रसंग को आधुनिक समय से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों की महत्ता समझाई। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने हरियाणवी संस्कृति और भाषा के संदर्भों को शामिल करते हुए गंभीर विषयों को भी सहज और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन हुआ।

सांस्कृतिक संध्या में नाद नेशन बैंड की धमाकेदार प्रस्तुति

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय साहित्य, संवाद एवं संस्कृति महोत्सव 'अक्षरम्-2026' के अंतर्गत शाम को सांस्कृतिक संध्या में नाद नेशन बैंड ने अपनी ऊर्जावान और भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति के दौरान बैंड कलाकारों ने गणेशा, शिव तांडव स्त्रोतम, 'तेरी दीवानी', 'सांसों की माला' और 'आज मेरे पिया घर आएंगे' जैसे गीतों को प्रस्तुत कर माहौल को आध्यात्मिक और बॉलीवुड सूफ़ी रॉक फ्यूजन के रंग में रंग दिया। सॉफ्ट, सूफी और धार्मिक शैली में दी गई इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों के दिलों को छू लिया और पूरी शाम को और भी रंगीन बना दिया। दर्शकों ने तालियों की गूंज के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली रहे। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला और ऐसे आयोजनों को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा भारत विविध संस्कृतियों का देश है। भारतीयता की भावना सभी में होनी चाहिए और इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में अपने देश की प्रति समर्पण की अभिव्यक्ति को जिंदा करते है। महोत्सव के इस सत्र में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों में उत्साह और सहभागिता देखने को मिली। अक्षरम-2026 के तहत आयोजित यह सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच भी प्रदान किया।

प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अक्षरम्-2026 में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकुला द्वारा लगाई प्रदर्शनी दर्शकों के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। प्रदर्शनी का मुख्य थीम युगों-युगों हरियाणा रहा, जिसमें हरियाणा के ग्रामीण जीवन का सटीक वर्णन किया गया। वहीं हरियाणा के विकास की यात्रा का पड़ाव दर पड़ाव वर्णन किया गया है। प्रर्दशनी में सिन्धु घाटी सभ्यता, कृषि यात्रा का विकास, यातायात के विभिन्न साधन, मन्दिरों की वास्तुकला, राज्य की पुरातत्व महत्व वाली महत्वपूर्ण सराय, पुरानी हवेलियां, पुरानी बावड़ियां, पुरानी कोस मीनार, पुराने समय से आधुनिक समय तक कुश्ती के दाव पेंच व बदलाव, पानीपत में लड़ी गई लड़ाई, हरियाणा की स्थापना से वर्तमान राज्यपाल, हरियाणा सभी मुख्यमन्त्रीयों का विवरण शामिल है। प्रदर्शनी का आवलोकन कर विश्वविद्यालय के छात्रों में अपने ज्ञान का उपार्जन किया।

लायंस क्लब हिसार-ए-फिरोजा के प्रधान बने महेश

हिसार। लायंस क्लब हिसार ए फिरोजा की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए महेश चौधरी को प्रधान चुन लिया गया। एचआर नारंग व डॉ. मनीष जुनेजा की देखरेख में हुए चुनाव में प्रधान पद के लिए हरीश छाबड़ा ने महेश चौधरी नाम प्रस्तावित किया, जिसका सभी क्लब सदस्यों ने समर्थन किया। करतल ध्वनि से महेश चौधरी को सर्वसम्मति से प्रधान चुन लिया गया। आगे की कार्यकारिणी जल्द ही गठित की जाएगी। बैठक में क्लब के सदस्य अशोक नागपाल, पवन सरदाना, बीसी गोयल, सुरेंद्र नैन, मुकेश बजाज, राजेश बहार, सुरेंद्र बजाज, अशोक मेहता, दुनीचंद गोयल, अश्विनी नारंग, महेश नारंग, डॉ. पंकज अरोड़ा, सुनील कक्कड़ के अलावा महिला सदस्य भी उपस्थित रही। इस दौरान प्रधान पद के लिए चुने गए महेश चौधरी ने सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है, उसे वे सभी सदस्यों के सहयोग से पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

विद्यालयों व अस्पतालों के आसपास चलाया अभियान

हिसार में जिंदल स्टेनलेस ने लगाए 1001 पौधे

हिसार। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल के जन्मदिन के अवसर पर कंपनी के हिसार परिसर के निकट स्थित विद्यालयों और अस्पतालों के आसपास एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल में कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और लगभग 1001 पौधे रोपकर पर्यावरण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ रूप से दर्शाया। जिंदल स्टेनलेस अपनी लागत प्रतिस्पर्धात्मकता और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए अपने एकीकृत परिचालन पर निर्भर है। वर्ष 1970 में स्थापित, जिंदल स्टेनलेस नवाचार और जीवन को समृद्ध बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरित है और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध है। जिंदल स्टेनलेस पर्यावरणीय जिम्मेदारी से प्रेरित, हरित, टिकाऊ भविष्य पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। कंपनी इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में स्क्रैप का उपयोग करके स्टेनलेस स्टील का निर्माण करती है, जिसमें ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होता है, गुणवत्ता में कोई कमी नहीं होती और पुनर्चक्रण संभव होता है।

लायंस क्लब हिसार सिटी ने 80 पौधे लगाए

हिसार। लायंस क्लब हिसार सिटी की ओर से क्लब के प्रधान लॉयन दर्शन खुराना की अध्यक्षता में सेक्टर 16-17 स्थित श्मशान भूमि में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रोजेक्ट चेयरमैन लॉयन पवन सिंगला के नेतृत्व में क्लब के सभी सदस्यों के सहयोग से लगभग 80 पौधों का रोपण किया गया। प्रोजेक्ट चेयरमैन लॉयन पवन सिंगला ने प्रधान लॉयन दर्शन खुराना के मार्गदर्शन में निरंतर वृक्षारोपण अभियान को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर रीजन चेयरमैन लॉयन प्रवीन नारंग, जोन अध्यक्ष राजेश सरदाना, क्लब के सचिव सुनील, कोषाध्यक्ष ब्रह्म नागपाल, संजय अग्रवाल, अश्विनी सरदाना व दिनेश मक्कड़ सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सेमिनार में दी नोबेल पुरस्कारों की जानकारी

हिसार। नोबेल पुरस्कारों को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में शामिल किया जाता है। इसकी स्थापना 1933 में जन्मे केमिस्ट अल्फ्रेड नोबेल ने की थी। वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट की आरे से आयोजित किए जाने वाले साप्ताहिक वार्ताओं की श्रृंखला में रविवार की बैठक में डॉ. सतीश कालड़ा ने अल्फ्रेड नोबेल और उनकी प्रेरणा बनीं वान स्टनर पर जानकारी प्रदान की। अल्फ्रेड ने एक अत्यंत ही विस्फोटक माने जाने वाले तरल केमिकल नाइट्रोग्लिसरीन, जिसका आविष्कार फ्रांस में प्रोफेसर टीजे पेलूज की प्रयोगशाला में काम कर रहे इतालवी केमिस्ट अस्कानियो सोब्रेरो कर चुके थे, को व्यावसायिक रूप से उपयोगी विस्फोटक के रूप में परिवर्तित किया। बैठक में पशुपालन विभाग से सेवानिवृत्त धर्म सिंह का जन्म दिन भी मनाया गया। उन्होंने जन विज्ञान में अपनी भागीदारी की जानकारी सांझा की।

सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने का अभियान

उकलाना। शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष अभियान शुरू कर दिया गया है। इसी कड़ी में सभी सरकारी विद्यालयों में प्रवेश उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय में आने वाले नए बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें नई कक्षा में प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालयों में मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों का वार्षिक परिणाम अभिभावकों के साथ साझा किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रशासन द्वारा अभिभावकों और बच्चों के लिए विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश चंद्र ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और राजकीय प्राथमिक पाठशाला के प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में भाग लेकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों से अधिक से अधिक बच्चों का सरकारी स्कूलों में नामांकन करवाने का आह्वान किया। छठी कक्षा में प्रवेश लेने वाले बच्चों को सम्मानित किया। खंड नोडल सत्यवान वर्मा ने बताया कि नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक घर-घर जाकर जागरूकता रैली और सर्वे के माध्यम से सरकारी स्कूलों में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है। खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश चंद्र ने बताया कि दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए सरकार द्वारा निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

खासा महाजन खेल नर्सरी में 35 खिलाड़ी चयनित

आदमपुर। निकटवर्ती गांव खासा महाजन स्पोर्ट्स क्लब व सुभाष चंद्र फाउंडेशन फुटबॉल टीम गांव खासा महाजन को फुटबॉल खेल नर्सरी का सरकार ने प्रावधान किया है। इसमें ट्रायल के आधार पर 35 लड़कों का चयन किया गया, जिसमें 8 वर्ष से 19 वर्ष तक के खिलाड़ियों का चयन किया गया। सभी चयनित खिलाड़ी सुबह-शाम प्रतिदिन दो-तीन घंटे खेलेंगे, इसके बदले उन्हें डाइट के रूप में दो हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे ताकि उनका शारीरिक व मानसिक विकास हो सके। खेल नर्सरी को लेकर खिलाड़ियों, समस्त ग्रामवासियों व ग्राम पंचायत ने खेल मंत्री गौरव गौतम, ओलंपिक संघ अध्यक्ष जसविंदर मीनू बेनीवाल, पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई, विधायक चंद्रप्रकाश, पूर्व बिजली मंत्री रणजीत सिंह व जिला खेल अधिकारी नरेश सैनी का आभार व्यक्त किया है। ज्ञात रहे कि पहले भी पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा फाउंडेशन से गांव में फुटबॉल में नर्सरी चल रही है। खेल मैदान का संचालन कोच अग्रोहा से अभिषेक पूनिया करेंगे।

'भागता भारत' ने शिव कॉलोनी में करवाई दौड़

हिसार। 'भागता भारत' एनजीओ की तरफ से हर रविवार करवाए जा रहे कार्यक्रमों की कड़ी में शिव कॉलोनी में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। कार्यक्रम में बच्चे बढ़-चढ़कर भाग लेते है। रविवार को शिव कॉलोनी में हुई दौड़ प्रतियोगिता में सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लिया। इनमें अंडर 8, अंडर 12 व अंडर 15 तथा ओपन एज लड़के और लड़कियां शामिल थे। यह दौड़ बहुत ही शानदार हुई। प्रतियोगिता में जेएसडब्ल्यू की ओर से सीमा जिंदल ने पहुंचकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, वहीं हिसार को साफ-सुथरा और हरा-भरा रखने का आह्वान किया। प्रतियोगिताएं जीतने वाले बच्चों को मेडल और रिफ्रेशमेंट दी गई। दौड़ प्रतियोगिता के साथ नृत्य एवं गायन की प्रतियोगिता भी हुई। भागता भारत की टीम से नीलम सैनी ने बताया कि बच्चों के लिए फिजिकल एक्टिविटी बहुत जरूरी है। इससे बच्चे अपने खान पान में सुधार कर सकें और नशे से दूर रहें। यह प्रतियोगिता नीलम सैनी, कोच दीपक, वॉलिंटियर्स नंदनी, खुशी, शशि, एकांक्षा, ज्योति, परमीत, देव, तेजस, नोनी, अंशु, मिंटू की देखरेख में हुई।

अद्वैत, प्रेम, सहजता और सृजनात्मकता का ध्यान मार्ग है लीला ध्यान : आचार्या मां साक्षी

हिसार। समर्थगुरु धारा संघ की ओर से एमजी क्लब स्थित ध्यान साधना केंद्र में संडे मेडिटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें आचार्या मां साक्षी ने लीला ध्यान करवाया। मां साक्षी ने साधकों को बताया कि लीला ध्यान अद्वैत, प्रेम, सहजता और सृजनात्मकता का ध्यान मार्ग है। लीला का अर्थ है ईश्वर का खेल-ऐसी अवस्था जहां जीवन के हर अनुभव को बोझ नहीं, बल्कि आनंद, सीख और जागरुकता के अवसर के रुप में देखा जाता है। कार्यक्रम में अनेक साधक शामिल हुए और शांत, दिव्य वातावरण में ध्यान साधना का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में आचार्या मां साक्षी ने ध्यान की मूल भावना, मानसिक शांति और आंतरिक ऊर्जा के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने बताया कि यह सत्र उनके जीवन में सकारात्मकता और मानसिक स्थिरता लाने वाला रहा। समर्थगुरु धारा संघ द्वारा समय-समय पर ऐसे जागरुकता एवं ध्यान कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य, मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिकता का प्रसार करना है।

हिसार पहुंची नशा मुक्त जन-जागरूकता टीम

हिसार। प्रदेश स्तरीय नशा मुक्त हरियाणा जन-जागरूकता रैली रविवार को हिसार पहुंची। इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड के पदाधिकारियों ने लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा से मुलाकात की और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अभियान की शुरुआत 17 मार्च को की गई थी। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में यह रैली पूरे प्रदेश में जन-जागरूकता का संदेश दे रही है। यह रैली स्वच्छ हरियाणा, स्वस्थ हरियाणा, नशा मुक्त हरियाणा, शिक्षित हरियाणा, विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ निकाली जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह एवं ग्रुप कोऑर्डिनेटर लक्ष्मण कुमार के नेतृत्व में टीम विभिन्न जिलों में लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर रही है।